मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 193 ■ रविवार, 20 अक्टूबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पटाखा गोदामों से बड़ा हादसा होने की आशंका

- भीड़ भाड़ इलाकों के गोदामों में क्षमता से ज्यादा बारूद
- पटाखा विक्रेता कर रहे अवैध कारोबार
- महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की अनदेखी
- मुरबाड-शहापुर रोड पर है कई अवैध गोदाम
- विस्फोट का शिकार बना पटाखा विक्रेता का पुत्र

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में मानसून समाप्त होते ही प्रदूषण के कारण शहर की हवा दूषित हो गई है। शहर में चल रहे भुयारी गटर के कामों से एक तरफ रोड बंद है जिस कारण धूल मिट्टी शहर की हवा को दूषित कर रही है तो दूसरी तरफ कांक्रीट जंगल में तब्दील हुए उल्हासनगर शहर में सैकड़ों की संख्या में अवैध निर्माण भी प्रदूषण फैला रहे हैं। इन दोनों की रोकथाम करने में उल्हासनगर मनपा पूरी तरह फेल गई है लेकिन इन दोनों की कसर एक साथ अब पटाखा विक्रेता पूरी कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि कुछ दिनों पूर्व उल्हासनगर पटाखा विक्रेता के मुरबाड रोड के पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट से उनके पुत्र मनीष नारंग की जान चली गई। कहीं इसी तरह का हादसा उल्हासनगर में न हो इस पर पुलिस, प्रशासन व एमपीसीबी को ध्यान देना चाहिए। क्या पटाखा विक्रेताओं ने सभी सुरक्षा के इंतजाम उल्हासनगर में किए हैं। ऐसे में प्रदूषण को रोकने और हादसों से बचने के लिए क्या उल्हासनगर में भी दिल्ली की तर्ज पर पटाखों पर प्रतिबंध लगेगा। अगर नहीं लगा तो भविष्य में क्या इन हादसों के लिए पुलिस व प्रशासन तैयार जिम्मेदारी लेने के लिए। प्रदूषण को रोकने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जल्द ही कड़े कदम उठाने होंगे।

क्या दिल्ली की तर्ज पर उल्हासनगर में भी लगेगा पटाखों पर प्रतिबंध?

■ सुरेश ठारवानी कर रहा पुलिस व प्रशासन को मैनेज

सूत्रों से जानकारी मिली है कि शहर में पटाखा विक्रेता प्रतिबंधित पटाखे बेचकर और नियमों का उल्लंघन करके क्षमता से ज्यादा बारूद भीड़ भाड़ वाले अपने गोदामों में जमा किए हैं। जिससे प्रदूषण के साथ साथ कोई भी हादसा होने की पूरी संभावना है। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनदेखी के कारण पटाखा विक्रेता प्रमुख सुरेश ठारवानी पुलिस व प्रशासन को हर वर्ष मैनेज करके यह कारोबार धड़ल्ले से चला रहा है। कुछ व्यापारी नेता इस मुद्दे पर गहरी नींद में है उन्हें शहर को इस बारूद से बचाना होगा अन्यथा बड़े हादसे का जिम्मेदार पुलिस व प्रशासन होगी।

■ प्रतिबंधित पटाखों का अवैध स्टॉक जमा

हैरानी की बात तो यह भी है कि दुकानों व गोदामों में क्षमता से अधिक बारूद रखने की इन पटाखा विक्रेताओं के पास किसी भी तरह फायर, पुलिस व प्रशासन की लिखित अनुमति नहीं है। ऐसी शिकायतें गोदाम परिसर के निवासियों ने एमपीसीबी में भी की है। अगर उल्हासनगर-2 नेहरू चौक आदि क्षेत्र में इनके गोदामों में छापेमारी हुई तो 100 करोड़ का माल निकलेगा क्योंकि यहां पटाखा विक्रेता होलसेल का काम करते हैं जो ठाणे जिले के कोने-कोने में जाता है।

2,80,852 वोटर चुनेंगे नया MLA

- सोशल मीडिया और बैंक खातों पर होगी चुनाव आयोग की नजर
- सोशल मीडिया के लिए विशेषज्ञों की विशेष टीम नियुक्त
- मतदाताओं के लिए विशेष योजना और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया पर जोर

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा चुनाव 2024 के संबंध में उल्हासनगर 141 निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी एवं चुनाव निर्वाचन पदाधिकारी विजयानंद शर्मा सहित पत्रकारों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी. इस दौरान घोषणा की गई कि इस साल के चुनाव में सोशल मीडिया पर सख्त नियंत्रण के साथ-साथ मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष योजना बनाई गई है।

260 मतदान केंद्र

उल्हासनगर 141 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 260 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर उच्च सुरक्षा लागू की जाएगी। आयोग ने मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी और संचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश दिया है.

चूंकि चुनावों के दौरान सोशल मीडिया का प्रभाव बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है, इसलिए चुनाव आयोग ने इस साल सोशल मीडिया प्रचार पर विशेष ध्यान देने का फैसला किया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए गलत जानकारी फैलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने सोशल मीडिया के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम नियुक्त की है, जो सोशल मीडिया पर होने वाली सभी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेगी. अनुमंडल पदाधिकारी विजयानंद शर्मा ने बताया कि प्रत्याशियों को सोशल मीडिया पर किये गये प्रत्येक पोस्ट, विज्ञापन या अभियान का विवरण चुनाव आयोग को देना अनिवार्य होगा. आयोग किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक प्रचार सामग्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोशल मीडिया पर प्रचार करने से चुनाव खर्च में भी बदलाव आएगा, जो उम्मीदवारों के कुल खर्च में शामिल होगा।

प्रमुख बिंदु....

- जैसे-जैसे चुनाव में सोशल मीडिया का इस्तेमाल बढ़ेगा, चुनाव आयोग की नजर रहेगी
- भ्रामक प्रचार, फर्जी खबरों पर तत्काल कार्रवाई
- हर सोशल मीडिया खर्च को उम्मीदवारों के चुनाव खर्च में गिना जाएगा
- उल्हासनगर में 2.80 लाख मतदाता, दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल
- उच्च सुरक्षा, बिजली, पानी और विशेष सुविधाओं वाले 260 मतदान केंद्रों की स्थापना
- उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी
- मतदाताओं को झूठे सोशल मीडिया प्रचार से सावधान रहना चाहिए
- पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए आयोग द्वारा उठाए गए विशेष कदम

दीवाली के बाद होगा प्रचार का श्रीगणेश

■ क्या 15-20 दिनों में सभी मतदाताओं तक उम्मीदवार पहुंच पाएंगे?

आगामी 20 नवंबर को विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है। चुनावी मैदान में खड़े होने वाले उम्मीदवारों को केवल 15-20 दिन ही प्रचार के लिए मिलेंगे क्योंकि 22 से 29 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल करना है। 1 नवंबर को दीवाली है और उसके बाद ही प्रचार का उम्मीदवार श्रीगणेश करेंगे। ऐसे में उम्मीदवारों को ज्यादा से ज्यादा 15-20 ही मिलेंगे प्रचार के लिए और सभी मतदाताओं तक पहुंचना उम्मीदवारों के लिए आसान नहीं होगा। दीवाली के त्यौहारों में लोग व्यस्त रहेंगे और 5 से 18 नवंबर तक धुआंधार प्रचार शहर में देखने को मिलेगा। फिलहाल तो किसी भी प्रमुख पक्ष ने अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है उसका सभी को इंतजार है।

उल्हासनगर निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,80,852 पंजीकृत मतदाता हैं। इसमें 1,50,401 पुरुष, 1,30,349 महिलाएं, 102 तृतीय पक्ष, 1,601 वरिष्ठ नागरिक, 865 विकलांग मतदाता, 108 सेवा मतदाता और 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,061 वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। विकलांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाएगा. मतदान केंद्रों तक आसान पहुंच, विशेष सहायता स्टाफ और विकलांगों के लिए रैंप का प्रावधान किया जाएगा।

आचार संहिता का कड़ाई से पालन

आयोग ने आगामी चुनावों में आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपायों की योजना बनाई है। मतदान के दिन किसी भी तरह की प्रचार रैली, जुलूस या भड़काऊ भाषण पर सख्त प्रतिबंध रहेगा. केवल अधिकृत कर्मियों को ही मतदान केंद्रों तक पहुंच की अनुमति होगी। प्रत्याशियों को अपने प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करना होगा, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जायेगी.

अंबरनाथ में महायुति और महाविकास आघाड़ी में होगी जोरदार टक्कर

■ जानिए किस-किस ने मांगी है उम्मीदवारी

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा 140 के लिए अभी तक महाविकास आघाड़ी और महायुति की तरफ से अधिकृत तौर पर ये घोषणा नहीं हुई है कि ये जगह कौन से पक्ष को दी जाएगी. महायुति की तरफ से शिवसेना शिंदे के साथ उसके मित्र पक्ष भाजपा ने भी यहां से उम्मीदवारी मांगी है. शिवसेना शिंदे की ओर से ट्रिपल विधायक किणीकर का नाम लगभग निश्चित है. इस पक्ष से एड. संदीप भराडे भी इच्छुक है, तो दूसरी ओर महाविकास आघाड़ी से राकांपा शरद पवार गट से कबिर नरेश गायकवाड़ और धनंजय सुर्वे ने साक्षात्कार देकर अपना दावा ठोंका है. कबिर गायकवाड़ ने तो ये तक कह दिया है कि अगर उन्हें महाविकास आघाड़ी से उम्मीदवारी मिलती है तो वह चुनाव पूरी ताकत से लड़ने के लिए तैयार है. कांग्रेस आई से तीन नामों की चर्चा है. रोहित सालवे, सुमेध भवार और अनिता जाधव व अन्य पांच ने अपने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करके उम्मीदवारी प्राप्त करने के लिए अभी भी प्रयास कर रहे हैं. सुमेध भवार एवं कबिर गायकवाड़ का कहना है कि विधायक किणीकर ने अपने तीन टर्म के कार्यकाल में लोगों को पानी के लिए बहुत तरसाया है. शहर में मेडिकल कॉलेज के अलावा एक डिग्री कॉलेज तक नहीं है. इस प्रकार का आरोप लगाते हुए कहा है कि उम्मीदवारी मिली तो अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र में वह विकास कार्य करेंगे. किणीकर के मुकाबले में शिवसेना उबाठा को महाविकास आघाड़ी की ओर से उम्मीदवारी मिलने के आसार हैं. इसमें सबसे ऊपर नाम राजेश वानखेड़े का है. ऐसे आसार दिखाई दे रहे हैं कि सन 2024 के चुनाव में शिवसेना का मुकाबला शिवसेना से होगा.

बैंक लेन-देन पर निर्वाचन विभाग की नजर!

■ जिला स्तरीय बैंक संयोजक की नियुक्ति

ठाणे. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ठाणे जिले के सभी बैंक लेनदेन की जानकारी आयोग को जमा करना अनिवार्य है. इस हेतु जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक अभिषेक पवार को जिला स्तरीय बैंक समन्वयक नियुक्त किया गया है, वहीं जिले के सभी बैंकों ने अपने समन्वय अधिकारी नियुक्त कर कलेक्टर कार्यालय को सूचित करने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक शिंगारे ने दिया है. यह भी स्पष्ट किया गया है कि बैंक से पैसे ट्रांसफर करते समय क्यूआर कोड अनिवार्य है। यदि राष्ट्रीयकृत बैंकों, सहकारी बैंकों और निजी बैंकों से प्रेषण के माध्यम से नकदी लानी या भेजनी है और यदि बड़े नकद लेनदेन हैं तो संबंधित बैंक की प्रत्येक शाखा के शाखा प्रबंधकों को एक क्यूआर कोड दिया जाएगा। इसके लिए निर्वाचन विभाग ने आदेश दिया है कि हर बैंक अपनी मुख्य शाखा से एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे. इस पृष्ठभूमि में, ठाणे जिले के सभी बैंकों द्वारा किए गए लेनदेन की जानकारी आयोग को प्रस्तुत करना अनिवार्य है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मुख्य बैंक में नोडल अधिकारी की यूजर आईडी कलेक्टोरेट द्वारा जनरेट की जाएगी और उन नोडल अधिकारियों को अपने बैंकों के सभी शाखा प्रबंधकों की यूजर आईडी जनरेट करनी होगी। क्योंकि एक शाखा से दूसरे शाखा में कैश ट्रांसफर करते समय प्रत्येक बैंक शाखा से एक क्यूआर कोड जनरेट करना आवश्यक है।

उद्योगपति नंदलाल वाधवा का RPI में प्रवेश

■ रामदास अठावले ने दी जानकारी

उल्हासनगर. जाने-माने उद्योगपति नंदलाल वाधवा आज आधिकारिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) में शामिल हो गए हैं। इसकी घोषणा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई में की.

आठवले समूह में शामिल हुए सिंधी समुदाय के वरिष्ठ नेता नंदलाल वाधवा उल्हासनगर के एक सफल उद्यमी हैं। वह भानुशाली रोलर फ्लोर मिल्स, स्वामी शांति प्रकाश गुड्डस और मीलन ग्रुप के अध्यक्ष हैं। उन्हें सिंधी समाज सहित सभी समुदायों में समाज सेवा का लंबा अनुभव है।

रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश महातेकर, रिपब्लिकन पार्टी के महाराष्ट्र राज्य महासचिव, ठाणे क्षेत्र के निरीक्षक सुरेश बारशिंग, युवा गठबंधन के महाराष्ट्र अध्यक्ष पप्पू कागड़े, प्रचार प्रमुख हेमंत रणपिसे, महिला अघाड़ी के राज्य अध्यक्ष चंद्रकांत सोनकांबले, मुंबई क्षेत्र के अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे, उषा रामलू, आशा लांडगे, अभय सोनवणे, पूर्व नगरसेवक नाना पवार, शांताराम निकम उपस्थित थे।

कल्याण पूर्व में बीजेपी-शिवसेना शिंदे गुट के बीच तनाव कायम

कल्याण. कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी और शिवसेना शिंदे गुट के बीच राजनीतिक विवाद फिर से भड़कने की आशंका है. सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के कट्टर समर्थक व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने चेतावनी दी है कि यदि भाजपा ने मौजूदा विधायक या उनके परिवार के किसी सदस्य को उम्मीदवार बनाया तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. इससे कल्याण पूर्व में महायुति में उम्मीदवारी को लेकर काफी तनाव होने का अनुमान है.

कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ का निर्वाचन क्षेत्र है। गायकवाड़ पिछले तीन बार से विधायक हैं. शिवसेना शिंदे समूह के कल्याण शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ यहां से विधायक सीट लड़ने के इच्छुक हैं। इसके चलते दोनों गायकवाड़ लगातार एक-दूसरे के आमने-सामने आ रहे थे और उनके बीच विवाद बढ़ते जा रहे थे. जमीन विवाद को लेकर बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड ने हिललाइन पुलिस स्टेशन में शहर प्रमुख महेश गायकवाड पर फायरिंग कर दी. इसके बाद से ही महेश गायकवाड़ और बीजेपी के गणपत गायकवाड़ के बीच अनबन चल रही है.

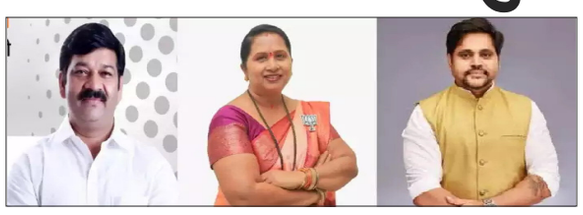

फायरिंग मामले में विधायक गायकवाड़ तलोजा जेल में हैं. इसके चलते उनकी पत्नी सुलभा गायकवाड़ इस निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय हो गई हैं और नागरिक विकास कार्यों के लिए काम कर रही हैं। ऐसी चर्चा जोरों पर है कि सुलभा गायकवाड़ को बीजेपी उम्मीदवार बनाएगी.

वहीं दूसरी ओर कल्याण पूर्व से शिव सेना शिंदे समूह के विशाल पावशे, नीलेश शिंदे, महेश गायकवाड़ चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। महेश गायकवाड पहले से विधायक का चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं. इस बीच यह भी चर्चा थी कि वह ठाकरे गुट में जाने वाले हैं. अब उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर बीजेपी विधायक गायकवाड़ के परिवार से किसी को उम्मीदवार बनाती है तो वह स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे.

शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने कहा, एक महागठबंधन के रूप में, भाजपा को कल्याण पूर्व में एक उम्मीदवार खड़ा करना चाहिए। हम निश्चित रूप से इसे महागंठबंधन का धर्म मानकर निभायेंगे.

लेकिन महेश गायकवाड ने चेतावनी दी है कि अगर एक ही परिवार और एक ही व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया गया तो हम अलग सोचेंगे और निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. महेश गायकवाड़ की भूमिका पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे क्या भूमिका निभाते हैं इस पर सबकी नजर है.

यात्री ने रेलवे क्लर्क पर किया हमला, 2 हिरासत में

■ कल्याण रेलवे स्टेशन की घटना
■ छुट्टे पैसों को लेकर की पिटाई
■ टिकट बुकिंग काउंटर पर हमेशा लड़ाई

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन पर आज एक अजीब घटना घटी है. टिकट लेने के दौरान छुट्टे पैसों को लेकर हुई बहस के बाद यात्री ने टिकट बुकिंग क्लर्क रोशना पाटिल की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस पिटाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस घटना से स्टेशन में हड़कंप मच गया है. कल्याण जीआरपी ने मारपीट करने वाले दो लोगों को हिरासत में लिया है और पुलिस की जांच जारी है. कल्याण रेलवे स्टेशन पर आज एक यात्री ने टिकट बुकिंग कार्यालय में घुसकर टिकट बुकिंग क्लर्क रोशना पाटिल पर हमला कर दिया. छुट्टियों के पैसे को लेकर हुए विवाद के बाद ऐसा हुआ. सहकर्मी अश्विनी शिंदे के मुताबिक, यात्रियों ने रोशना पाटिल को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गईं. उन्हें तुरंत रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में यात्री ने टिकट काउंटर के अंदर रोशना को लात मारी और उसका हार खींच लिया। कल्याण जीआरपी ने इस मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है और आगे की जांच जारी है. अश्विनी शिंदे ने कहा, "छुट्टियों के पैसे को लेकर हमेशा विवाद होता रहता है, लेकिन आज यह विवाद हिंसक हो गया. ऐसी चीजें हमारे साथ अक्सर होती रहती हैं और सरकार को हमारी सुरक्षा के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए.

एक ही विकास कार्य का कांग्रेस-शिवसेना दोनों ने किया भूमिपूजन

■ वर्क ऑर्डर कांग्रेस नेता के पास
■ विवाद शुरू

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम जावसाई फुलेनगर में एक करोड़ 80 लाख रुपयों की रकम से होने जा रहे विकास कार्य पर विवाद हो गया है. विधानसभा चुनाव को देखते हुए एवं आचार संहिता लागू होने से पूर्व यहां पर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं पूर्व नगरसेवक आत्माराम तांबे ने यहां पर दुर्गा तबेले से राम मंदिर के पास तक सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य एवं राम मंदिर के पीछे के बड़े नाले के कार्य का भूमिपूजन अपने नेताओं की उपस्थिति में किया था. तांबे का कहना है कि उनके प्रयास से ये विकास कार्य हो रहा है. उनके पास इस काम का वर्क आर्डर भी है. लेकिन दूसरे ही दिन शिवसेना शिंदे गट के कुछ लोगों ने फिर से इस कार्य का भूमिपूजन करके विवाद खड़ा कर दिया है, जबिक आत्माराम तांबे और संकेत तांबे का कहना है कि उन पर ये दबाव डाला जा रहा है कि जिस प्रकार उन्होंने और उनके कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव में उनके लिए कार्य किया था, उसी तरह विधानसभा के चुनाव में शिवसेना शिंदे गट के लिए काम करें. इसलिए सड़क कंक्रीटीकरण और नाले के निर्माण कार्य का दोबारा भूमिपूजन करके उनको दबाव में लिया जा रहा है. ये सब अनुचित है. हम किसी के दबाव में नहीं आने वाले हैं, ऐसा तांबे ने कहा है.

ठाणे जिले में राशन दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

■ 5 लाख 9740 रुपये का खाद्यान्न जब्त

ठाणे. शहर के कुछ राशन दुकानदारों द्वारा आम लोगों से अनाज लूटने की शिकायत के बाद आपूर्ति अधिकारियों ने दोषी दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक अभियान शुरू किया है. जांच के बाद शहरी क्षेत्र की 6 राशन दुकानों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया. इसके अलावा कुल 9 सरकारी राशन दुकानें निलंबित कर दी गईं। इसमें कार्डधारकों को कम वजन का राशन देना, समय पर राशन देने से इंकार करना, लाभार्थियों के साथ दुर्व्यवहार समेत कई तरह के मामले सामने आये. दुकानदारों से पांच लाख नौ हजार 740 रुपये का खाद्यान्न जब्त किया गया।

ठाणे जिले में 6 लाख 35 हजार 108 राशन कार्ड धारक हैं. इसमें अंत्योदय लाभार्थियों की संख्या 12 हजार 627 और प्राथमिकता वाले लाभार्थियों की संख्या 6 लाख 22 हजार 481 है। सरकार अंत्योदय राशन धारकों को प्रति राशन कार्ड पर प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराती है। इसलिए, प्राथमिकता वाले लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम अनाज की आपूर्ति की जाती है। लोगों का आरोप था कि उन्हें एक निश्चित हिस्से से कम अनाज देकर धोखा दिया जा रहा है. जांच में पता चला कि सरकार सही मात्रा में राशन तो उपलब्ध करा रही है, लेकिन दुकानदार कम अनाज दे रहे हैं.

सर्कल 'एफ' के उपनियंत्रक प्रशांत काले ने बताया कि यह कार्रवाई गैरजिम्मेदाराना व्यवहार, खाद्यान्न वितरण में मनमानी और अनियमितता, खाद्यान्न का कम वितरण और कुछ पात्र कार्डधारकों को खाद्यान्न नहीं देने के कारण की गई है. ठाणे, अंबरनाथ, कल्याण, उल्हासनगर, भयंदर में नौ दुकानें रद्द या निलंबित कर दी गईं। साथ ही दुकानदारों से 37 लाख 82 हजार का जुर्माना वसूला गया. दुकान में रखे अनाज की जांच की गयी. एक माह के अंदर प्राप्त एवं वितरित किये गये अनाज में दोषी पाये जाने पर त्वरित कार्रवाई की जाती है. दुकान में गंभीर खराबी एवं हल्की खराबी को देखते हुए दुकान को निरस्त अथवा निलंबित करने की कार्यवाही की जाती है। कम वजन का राशन, समय पर राशन देने से इंकार, फर्जीवाड़ा पाया गया और दुकानदारों से 5 लाख के अनाज जब्त किए गए.

जुए अड्डों पर छापेमारी

उल्हासनगर. उल्हासनगर और विट्ठलवाड़ी पुलिस ने ममटका जुआ अड्डा चलाने वाले 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस ने उल्हासनगर कैंप नंबर 2 स्थित फाकड़मंडली चौक इलाके में मटका जुए के अड्डे पर छापा मारा। छापे में नरेश उर्फ कालू मोहनदास अंबवाने, किसान होतचंद खत्री और मैनुद्दीन मोहम्मद पठान को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया गया है. दूसरी घटना में विट्ठलवाड़ी पुलिस ने कैंप नंबर-5 के स्वामी शांति आश्रम हॉल इलाके में मटका जुआ अड्डे पर छापा मारा और नितेश मुरली खटवानी, कालू बावनदास डोडा और विक्की डोडा को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

परंपराओं से ऊपर है कानून

बाल विवाह से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जो कहा, वह वक्त का तकाजा है और इससे संबंधित कानून को लागू करने के रास्ते में आने वाली अड़चनों को दूर करने वाला भी। देश भर में विभिन्न समुदायों के बीच परंपरा या व्यक्तिगत कानूनों की वजह से आज भी बाल विवाह करा दिए जाते हैं। यह समझना मुश्किल नहीं है कि जिन बच्चों की शादी कम उम्र में करा दी जाती है, वे इस मामले में कितनी परिपक्व समझ रखते हैं। इस लिहाज से सर्वोच्च न्यायालय का फैसला अहम है।

अदालत ने कहा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिए बाधित नहीं किया जा सकता। हालांकि अदालत ने यह स्वीकार किया कि इस कानून में कुछ खामियां हैं और इसे सफल बनाने के लिए बहु-क्षेत्रीय समन्वय के पक्ष का ध्यान रखा जाएगा। इस संबंध में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि बाल विवाह अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन करता है।

दरअसल, समाज में अब भी कुछ ऐसी रिवायतें जारी हैं, जो न केवल किसी समाज में प्रतिगामी मूल्यों की वाहक हैं, बल्कि उनके जरिए कई बार मानवाधिकारों का भी हनन होता है। बाल विवाह ऐसी ही एक परंपरा है, जो कानून की कसौटी पर तो अनुचित है, मगर व्यवहार में बदस्तूर कायम है। बच्चों का विवाह कराते हुए इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि कम आयु के बच्चे अपने विवाह को लेकर कोई परिपक्व फैसला नहीं कर सकते। अभिभावकों के फैसले का विरोध न कर पाने या असहमति न जता पाने की वजह से जो उन पर थोपा जाता है, उसे वे मजबूरन स्वीकार कर लेते हैं।

यही वजह है कि हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी तादाद में बाल विवाह कराए जाते हैं और कानून वहां लाचार खड़ा दिखता है। जाहिर है, इस समस्या की परतें और जटिलताओं के मद्देनजर बाल विवाह प्रथा को समाप्त करने के लिए वक्त के मुताबिक कानूनों में जरूरी बदलाव के साथ-साथ लोगों के बीच जागरूकता फैलाने और अलग-अलग समुदाय के हिसाब से रणनीति बनाने जरूरत है।

विदेश में बैठे भारत विरोधी तत्वों पर गौर करे अमेरिका

सिख फॉर जस्टिस का संस्थापक और भारत द्वारा घोषित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई द्वारा भारत के पूर्व खुफिया अधिकारी विकास यादव को आरोपित करने का ताजा घटनाक्रम क्या भारत को कूटनीतिक तौर पर घेरने की कोशिश है? नई दिल्ली ने उचित ही इसमें अपनी संलिप्तता से इनकार किया है, क्योंकि किसी दूसरे देश के आंतरिक मामले में दखल देने की हमारी कोई नीति नहीं रही है। हम यही मानते हैं कि अमेरिकी अदालत इस मामले में उचित फैसला करेगी। मगर सवाल इसलिए उठने लगे हैं, क्योंकि इसी पन्नू के केस में पिछले दिनों हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के खिलाफ एक अमेरिकी अदालत ने समन जारी किया था। उसने अपनी हत्या की साजिश को लेकर न्यूयॉर्क की अदालत में याचिका लगाई थी, जिसके बाद अदालत ने डोभाल सहित कई लोगों को समन जारी किया था। बाद में, भारत की एक उच्चस्तरीय टीम अमेरिका गई थी, जिसने निश्चय ही वहां के अधिकारियों से बात की होगी। इस बैठक के नतीजे तो सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन असलियत यही है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं को समझ रहे होंगे। अच्छी बात यह है कि भारत और अमेरिका की सरकारें एक-दूसरे के संपर्क में हैं और वे यह नहीं चाहतीं कि आपसी रिश्ते पर ऐसी किसी घटना का असर पड़े।

बहरहाल, इस मामले ने करीब एक दशक पुराने देवयानी खोबरागडे विवाद की याद ताजा

कर दी है। देवयानी तब न्यूयॉर्क में भारतीय उप-महावाणिज्य दूत थीं। उन पर अपनी घरेलू सहायिका के वीजा आवेदन में गलत तथ्य देने के आरोप लगाए गए थे। भारत ने इस पर सख्त ऐतराज जताया था। कहा तो यह भी जाता है कि तब भारत के कड़े रुख को देखकर अमेरिकी अधिकारी हैरान थे। बाद में अपनी खामियों पर गौर करने के लिए अमेरिकी सुरक्षा मंत्रालय, विदेश और न्याय विभाग आदि ने समीक्षा बैठकें की थीं। भारत वास्तव में कार्रवाई करने के अमेरिकी तरीके को लेकर नाराज था और अमेरिका भी द्विपक्षीय रिश्ते में किसी तरह का तनाव नहीं चाहता था। नतीजतन, देवयानी वापस भारत बुला ली गईं। आज भी दोनों देश शायद ही आपसी रिश्ते में किसी तरह की तनातनी के पक्ष में होंगे।

पन्नू की हरकत किसी से छिपी नहीं है। उसके पास भले ही अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है, लेकिन वह भारत में एक वांछित अपराधी है। वह खालिस्तानी भावना भड़काकर भारत-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। अमेरिका इन सबसे अनजान नहीं होगा, लेकिन चूंकि उसकी जमीन पर इसने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए पन्नू अब भी वहां सलाखों से बाहर है। देखा जाए, तो भारत के खिलाफ अलगाववादी सोच रखने वाले ऐसे अपराधी इसी अमेरिकी नीति का फायदा उठाते हैं। वे भारत की बढ़ती साख को पसंद नहीं करते। मगर हमें उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करेंगे। अभी कनाडा ने भी अपने यहां एक खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के हत्या में कथित तौर पर भारत की संलिप्तता का दावा किया है, जिस कारण उसके साथ हमारे रिश्तों में खटास आई है। पन्नू ने भी इस मौत का बदला लने की धमकी दे रखी है। अमेरिका इन सबसे वाकिफ होगा और वह जरूर प्रयास करेगा कि ऐसे मसलों का जल्द निपटारा हो जाए।

वैसे, आदर्श व्यवस्था यही है कि कोई देश किसी भी रूप में आतंकी या असामाजिक तत्वों को अपने यहां जगह न दे। इसके लिए प्रत्यर्पण संधि का इस्तेमाल किया जाता है। भारत ने कई देशों के साथ ऐसे समझौते कर रखे हैं। मगर इस संधि के तहत अपराधी को स्वदेश लाना काफी कठिन प्रक्रिया होती है। इसमें पहले पूरे सुबूत के साथ संबंधित देश के पास आवेदन भेजना होता है, जिसे स्वीकारने या खारिज करने को लेकर वह स्वतंत्र होता है। मगर पन्नू मामले में हमारी मुश्किल यह है कि वह भारत का नहीं, बल्कि अमेरिका और कनाडा का नागरिक है।

प्रकाश और प्रेम ही हमारा सच्चा स्वरूप है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बांग्लादेशी घुसपैठ और असम की नागरिकता पर सवाल

बांग्लादेश से आकर असम में पनाह पाए या फिर अवैध रूप से रह रहे लोगों की नागरिकता का सवाल लंबे समय से उलझा हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे लोगों की नागरिकता तय करने के मकसद से संविधान में जोड़ी गई धारा 6ए पूरी तरह जायज है। दरअसल, केंद्र सरकार का कहना था कि यह धारा नागरिकता और भाषा-संस्कृति संबंधी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन करती है।

बांग्लादेश से आकर बसे लोगों की वजह से असम में जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ा है, वहां की भाषा और संस्कृति भी प्रभावित हुई है। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि ऐसे लोगों की वजह से वहां की भाषा और संस्कृति पर बुरा असर पड़ा है। किसी राज्य में विभिन्न जातीय समूहों की मौजूदगी का मतलब यह नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 29(1) के तहत भाषाई और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है। यानी अब 1 जनवरी, 1966 से पहले आए लोगों को स्वतः भारत का नागरिक मान लिया जाएगा और उसके बाद 24 मार्च, 1971 के बीच आए लोगों को नागरिकता के लिए पंजीकरण कराना होगा। उसके बाद आए लोगों को अवैध माना जाएगा और सरकार उन्हें वापस भेजने का प्रबंध करेगी।

दरअसल, केंद्र सरकार राष्ट्रीय नागरिक पंजिका तैयार करना चाहती है। उसमें असम सरकार लगातार बांग्लादेश से आई मुसलिम आबादी का सवाल उठाती रही है। उसका कहना है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से राज्य

के कई जिलों में उनकी आबादी बहुसंख्यक हो गई है। मगर उनकी पहचान करने में उसे कठिनाई पेश आती रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा था कि राज्य सरकार ऐसे नागरिकों की पहचान कर बताए कि कितने विदेशी नागरिक वहां रह रहे हैं और कितनों को वापस भेजा गया है। मगर सरकार उसका आंकड़ा पेश करने में विफल रही।

बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला पुराना है, इसे लेकर वहां करीब छह वर्ष तक आंदोलन चला था। उसे शांत करने के मकसद से तत्कालीन केंद्र सरकार ने 1985 में बांग्लादेश सरकार और असम छात्र संगठन से बातचीत कर 6ए का प्रावधान किया था। बांग्लादेश सरकार अब भी भारत में अवैध रूप से रह रहे अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है। मगर यह तभी संभव है, जब असम सरकार पारदर्शी तरीके से उनकी पहचान करे। देखना है, यह काम वह कैसे और कब तक कर पाती है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने का मुद्दा इसलिए विवादास्पद हो गया था कि ठीक से पहचान किए बिना उन्हें पृथकता केंद्रों में भेजा जाने लगा। उनमें से कई ऐसे नागरिक भी बताए जाते हैं, जो भारतीय नागरिकता कानून के दायरे में आते हैं, मगर उनके पास पहचान के जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे नागरिकों को बांग्लादेश भेजने से उनके सामने नई दुश्वारियां पैदा हो सकती हैं। वहां जाकर उन्हें नागरिकता न मिली तो वे कहीं के नहीं रह जाएंगे।

किसी संकट के समय मानवीय आधार पर दूसरे देश के नागरिकों को पनाह देना हर देश का धर्म है, पर किसी लोभ में अवैध तरीके से आकर लोग रहने लगें, तो उससे न केवल देश की बुनियादी सुविधाओं पर बोझ बढ़ता है, बल्कि सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी पेश आने लगती हैं। ऐसे में बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में रहने देने के पक्ष में शायद ही कोई हो, पर बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए उन्हें वापस भेजना भी उचित नहीं कहा जा सकता।

3 पहियों का क्यों होता है ऑटो रिक्शा? 4 टायर क्यों नहीं?

रोड पर चलते वक्त आपको कारों से ज्यादा ऑटो रिक्शा नजर आ जाते होंगे. भारत के किसी भी शहर में आप चले जाइए, आपको ये 3 पहियों वाले पब्लिक ट्रांसपोर्ट आसानी से मिल जाएंगे. छोटा और तेज साधन होने की वजह से लोगों को इसमें बैठकर अपने गणतव्य तक जाने में कोई परेशानी नहीं होती है. इस वजह से वो ऑटो रिक्शा का उपयोग करना पसंद करते हैं. मगर इससे जुड़ी एक रोचक बात है. आपने गौर किया होगा कि ऑटो रिक्शा के 4 नहीं, 3 टायर होते हैं. क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों है?

जरा हट के

इसका कारण आपको बताने से पहले ये बता दें कि अगर आपके मन में ये सवाल कभी आया है, तो ये मत सोचिए कि आप अकेले हैं, क्योंकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर भी किसी ने इस सवाल का जवाब मांगा. कुछ साल पहले किसी ने ये सवाल किया कि ऑटो रिक्शा

में आसानी से 4 टायर लगाकर उसे ज्यादा संतुलित बनाया जा सकता है, फिर भी उसमें 3 ही टायर क्यों लगाते हैं?

कई लोगों ने इस सवाल का जवाब भी दिया है. आईआईटी रुड़की के एक फैकल्टी रह चुके शख्स ने कमेंट कर कहा- 3 पैर वाले वस्तु को लेवल करना ज्यादा आसान है, न कि 4 पैर वाली चीज को संतुलित करना. उन्होंने कहा कि 3 पैर वाले टेबल को बनाना ज्यादा आसान है, पर 4 पैर वाले को बनाने के लिए ज्यादा स्किल की जरूरत पड़ती है. एक यूजर ने कहा कि खर्च और जटिलता की वजह से ऐसा किया जाता है. 3 पहिए वाली गाड़ियां कम जटिल होती हैं और उन्हें बनाना सस्ता होता है.

साइंस डायरेक्ट वेबसाइट के अनुसार 3 पहिए वाले ऑटो रिक्शा को बनाना कम खर्च वाला काम है, साथ ही ऐसे ऑटो रिक्शा को चलाना भी आसान है क्योंकि वो ज्यादा संतुलन में होता है. 3 पहिए वाले ऑटो रिक्शा हल्के होते हैं, पतले रास्तों पर आसानी से चल सकते हैं और उनकी हैंडलिंग भी आसान होती है. इस वजह से ऑटो रिक्शा जिनमें 3 पहिए होते हैं, वो ईंधन भी कम खाता है. उनके इंजन भी हल्के होते हैं.

करवा चौथ पर गज केसरी योग में पूर्ण होगा व्रत

■ सलामत रहेगा सुहाग, पूजा का मिलेगा दोगुना लाभ

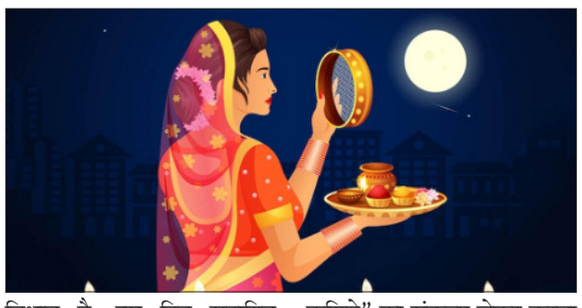

करवा चौथ व्रत का एक दिन शेष है. कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन करवा चौथ का व्रत रखा जाता है. सुहागिन महिलाएं यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं. इस साल यह व्रत 20 अक्टूबर 2024 दिन रविवार को है. इस बार करवाचौथ पर गज केसरी योग पड़ रहा है. ऐसे में पूजन का दोगुना लाभ मिलेगा. साथ ही इस बार उच्च राशि का चंद्रमा होने से अक्षत सुहाग के शुभ मांगलिक योग हैं. वहीं, चंद्रोदय रविवार रात 07.56 बजे से होगा.

हिन्दू पंचांग के अनुसार, करवा चौथ पर शिव परिवार की पूजा का विधान है. इस दिन सुहागिन महिलाएं प्रातः काल से ही निर्जला व्रत रखकर संध्या के समय चन्द्रमा को अर्घ्य देती हैं. इसके बाद अपने पति का दर्शन कर जल ग्रहण करके व्रत का परायण करती हैं. इस दिन स्त्रियां एकत्रित होकर कर्क चतुर्थी व्रत की कथा का पाठ और श्रवण करती हैं. इस दिन स्त्रियों को "मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये" का संकल्प लेकर करवा चौथ व्रत शुरू करना चाहिए.

करवा चौथ पर कैसे बना गज केसरी योग

ज्योतिर्विद और वास्तु विशेषज्ञ राकेश चतुर्वेदी बताते हैं कि, इस बार करवा चौथ पर विशेष संयोग बन रहा है. दरअसल, करवा चौथ व्रत पर दिनभर चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृष में रहेंगे और व्रत के दिन चन्द्रमा और बृहस्पति दोनों एक ही राशि (वृष) में आ जाएंगे. ऐसा होने से गज केसरी योग बनेगा, जो अपने आप में एक बहुत शुभाशुभ परिणाम देने वाला योग है.

इस करवा चौथ पर क्यों नहीं भद्रा का साया

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, इसबार करवा चौथ पर लोगों में भद्रा को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है. यदि आप भी भ्रमित हैं तो इसे भूल जाएं. क्योंकि, इसबार व्रत के दौरान कोई भद्रा का साया नहीं रहेगा. आपको बता दूं कि, इसबार करवा चौथ पर भद्रा काल 19 अक्टूबर को रात 8:14 बजे से शुरू होकर सुबह 6.46 बजे तक रहेगा. यानी भद्रा का साया केवल तृतीया तिथि में रहेगा. इसलिए इसका करवाचौथ पर कोई प्रभाव नहीं है.

करवा चौथ 2024 व्रत तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 6:46 बजे से शुरू होगी और यह तिथि 21 अक्टूबर को सुबह 4:16 मिनट तक रहेगी. ऐसे में उदया तिथि के मुताबिक, करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर 2024 दिन रविवार को रखा जाएगा. करवा चौथ के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर की शाम 5:46 बजे से लेकर शाम 7:10 बजे तक रहेगा. इस समय पूजा करना बहुत ही शुभ रहेगा.

रोटी नूडल्स

खाना-खजाना

रोटी बनाने से पहले कितना भी हिसाब-किताब क्यों न कर लें, अकसर दो-चार रोटियां बच ही जाती हैं। इन रोटियों को यूं ही गर्म करके खाने से बेहतर है कि उनसे कुछ नया और स्वादिष्ट बनाया जाए...

सामग्री:

- बासी चपातीः 5
- तेलः 2 चम्मच
- बारीक कटा लहसुनः 4 कलियां
- कद्दूकस किया अदरकः 1 टुकड़ा
- बीच से कटी हरी मिर्चः 2
- बारीक कटा प्याजः 2
- बारीक कटा गाजरः 1
- लंबाई में कटी तीनों रंग की शिमला मिर्चः 1/2 कप
- कद्दूकस की हुई पत्ता गोभीः 1/2 कप
- नमकः स्वादानुसार
- टोमैटो केचअपः 4 चम्मच
- सोया सॉसः 2 चम्मच
- सिरकाः 1 चम्मच
- बारीक कटा हरा प्याजः 4 चम्मच

विधि :

चपाती को रोल करें और कैंची की मदद से नूडल्स की तरह पतले-पतले स्ट्रिप्स में काट लें। चपाती

नूडल्स को अलग कर लें।

अब कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन, मिर्च, प्याज, गाजर, पत्ता गोभी और शिमला मिर्च डालकर तेज आंच पर एक से दो मिनट तक पकाएं। जब सब्जियां जरा-सी पक जाएं तो कड़ाही में नमक, टोमैटो कैचअप, विनिगर और सोया सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। सबसे अंत में कड़ाही में चपाती नूडल्स डालें और तेज आंच पर सभी सामग्री को मिलाते हुए दो-तीन मिनट पकाएं। बारीक कटे हरे प्याज से गार्निश कर सर्व करें।

घर में सीढ़ी स्टूल नहीं, बिना हाथ लगाए पंखा मिनटों में होगा चकाचक

■ इन 5 आसान ट्रिक से करें सीलिंग फैन साफ

दिवाली के त्योहार पर हर कोई अपने घर की साफ-सफाई करने में 10-15 दिन पहले से ही लग जाता है. घर में भरे कबाड़, बेकार पड़े सामानों को लोग कचरे वाले को दे देते हैं. घर के कोने-कोने में रखे सभी सामानों की सफाई करते हैं. सबसे दिक्कत लोगों को सीलिंग फैन साफ करने में आती है. ऊंचाई पर टंगे पंखे को महिलाएं आसानी से साफ नहीं कर पाती हैं. घर के पुरुष ऑफिस के कामों में इतने व्यस्त रहते हैं कि वे हर काम को कल पर टालते रहते हैं. ऐसे में आप चाहती हैं बिना सीढ़ी, टेबल, कुर्सी के पंखा साफ करना तो यहां बता रहे हैं आपको कुछ ईजी टिप्स.

■ पंखा साफ करने के टिप्स

■ पंखे को अगर 10-15 दिनों तक साफ न करें तो पंखे के ब्लेड पर धूल-मिट्टी की मोटी परत जम जाती है. इससे पंखा स्लो भी चलता है. आप पंखे तक बिना सीढ़ियों और टेबल की मदद से ही सफाई कर सकती हैं. मार्केट में आजकल क्लीनिंग डस्टर मिलने लगे हैं, उससे पंखे की सफाई आप नीचे खड़े होकर भी कर सकते हैं.

■ डस्टर से पंखे को साफ करने के लिए आप पहले ब्लेड को साफ करें. अब बाल्टी में पानी डालें. इसमें नमक, सफेद सिरका यानी विनेगर, डिटर्जेंट, 2 चम्मच नारियल तेल डाल दें. इसे मिक्स करें. इस घोल से डस्टर डालें और पंखे के ब्लेड की सफाई करें. यह चमक उठेगा.

■ आपके घर वैक्यूम क्लीनर है तो आप इससे भी पंखे की सफाई कर सकती हैं. वैक्यूम क्लीनर को पकड़ कर उसे फैन के ब्लेड पर घुमाएं. ध्यान रहे पंखे का स्विच ऑफ हो. सारी धूल-मिट्टी वैक्यूम क्लीनर अपने अंदर एब्जॉर्ब कर लेगा.

■ मार्केट में डस्टिंग ब्रश भी अब तरह-तरह के मिलने लगे हैं. इससे घर के सभी पंखों को चमका सकते हैं. आपको सीढ़ियों की भी नहीं पड़ेगी जरूरत. इस डस्टिंग ब्रश को आप सप्ताह में एक बार सीलिंग फैन पर चला दें, गंदगी नहीं चिपकेगी और फैन भी फुल स्पीड में चलेगा.

■ आपके पास हैंगर होगा तो उससे भी क्लीनिंग डस्टर बना सकते हैं. इसके लिए आप हैंगर में दोनों तरफ मोटे स्पॉन्ज को लगाकर बांध दें. अब हैंगर को पकड़ने के लिए उसमें एक रॉड या लकड़ी का कोई लंबा डंडा रस्सी की मदद से बांध दें. आप फर्श पर खड़े रहकर भी इससे पंखे की सफाई कर सकते हैं. स्पॉन्ज को डिटर्जेंट वाले पानी के घोल में डुबाएं, इसे निचोड़ें और पंखे पर रब करें.

नकली चायपत्ती से रहें सावधान

■ इस तरह करें मिलावटी प्रोडक्ट की पहचान

मुनाफाखोरी के चक्कर में इन दिनों मिलावटी सामान बाजार में काफी मिल रहे हैं. मिलावटी सामानों में ऐसे केमिकल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है जो पेट में जाते ही जहर का काम करने लगते हैं. इसकी वजह से पेट में जलन, दर्द, अपच, एलर्जी आदि हो सकती है. यही नहीं, FSSAI ने इसमें लोहे के कण मिलाने की बात भी बताई है. आइए जानते हैं कि नकली चायपत्ती से बचने के लिए इसकी पहचान किस तरह करें.

■ नकली चायपत्ती की ऐसे करें पहचान

पहला तरीका- FSSAI के मुताबिक, एक गिलास पानी लें, जिसका टेम्परेचर सामान्य हो. अब इसमें एक चम्मच चायपत्ती डालें. अगर चाय के रंग में कोई खास बदलाव नहीं आया या नेचुरल रंग खिला तो ये नॉर्मल चायपत्ती है, लेकिन अगर चाय की पत्तियों में मिलावट है, तो इसका रंग तुरंत गहरा लाल होने लगेगा.

दूसरा तरीका- एक कटोरी लें और उसमे कुछ फिल्टर पेपर रख दें. अब इसमें चायपत्ती डालें. अब चायपत्ती पर पानी का छिड़काव करें और 1 मिनट इंतजार करें. अगर यह मिलावटी होगा तो फिल्टर पेपर पर दाग-सा पैच बन जाएगा.

तीसरा तरीका- एक कप पानी को उबालें. एक उबाल आ जाए तो इसमें चायपत्ती डालें और छानकर कप में रखें. अब चाय को ध्यान से देखें. अगर कप में रखी चाय क्लीयर है तो ठीक है. लेकिन अगर चाय धुंधला सा या घुला-घुला फॉगी सा दिख रहा है, यानी इसमें मिलावट की गई है.

चौथा तरीका- एक पेपर पर चाय की पत्तियां फैला दें. अब एक चुम्बक लें और करीब से घुमाएं. अगर इसमें आयरन मिलाया गया है तो छोटे -छोटे कण चुम्बक पर चिपक जाएंगे. इस तरह आप मिलावटी चायपत्ती से खुद का बचा सकते हैं और हेल्दी रह सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा।

कर्क : धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह : कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या : शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे।

धनु : राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा।

कुंभ : चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कुबुद्धि से दूरी बनाए रखें। चोट व रोग से बचें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लव मैरिज के एक महीने बाद ही हैवान बना पति, दोस्तों के साथ मिलकर बीवी से किया गैंगरेप

उरई. उरई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक नवविवाहिता ने पति और उसके तीन दोस्तों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक एक महीने पहले ही नवविवाहिता ने प्रेमी संग लव मैरिज की थी। ये घटना कोंच क्षेत्र का है। 22 साल की नवविवाहिता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसके पति ने तीन दोस्तों के साथ मिलकर उसे गैंगरेप किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने बताया कि सितंबर महीने में उसने लव मैरिज की थी।

लव मैरिज के लिए राजी नहीं हुए परिजन तो प्रेमी युगल ने ने दे दी जान

उरई. उरई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां प्रेमी युगल की शादी के लिए जब परिजन नहीं माने तो दोनों ने खौफनाक कदम उठा लिया। प्रेमिका, प्रेमी के घर पहुंची और वहीं दोनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ये घटना कदौरा थाना क्षेत्र के बड़ा गांव का है। कुंवरलाल की पूनम निषाद के साथ तीन साल से दोस्ती थी और दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन जब दोनों के प्रेम प्रसंग की जानकारी परिजनों को हुई तो दोनों परिवारों ने सख्ती दिखाते हुए शादी कराने से इंकार कर दिया। लेकिन साथ जीने मरने की कसमें खाने वाले प्रेमी युगल इससे नाराज हो गया और शुक्रवार देर रात पूनम अपने प्रेमी कुंवरलाल के घर उससे मिलने पहुंच गई। जहां दोनों ने एक काथ एक ही कमरे में लकड़ी की बल्ली पर अलग-अलग कपड़े बांधे और फंदे से लटक गए। शनिवार सुबह पूनम के घरवालों को जब वह नहीं दिखी तो वह कुंवरलाल के घर पहुंचे। जहां दोनों को फंदे से लटकता शव देख सबके होश उड़ गए।

घर में घुसकर चार साल की मासूम से डिजिटल रेप, नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में कोतवाली खुर्जा नगर क्षेत्र के एक कॉलोनी में घर में घुसकर पड़ोसी किशोर ने चार वर्षीय मासूम से डिजिटल दुष्कर्म किया। जानकारी होने के बाद चाचा ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक व्यक्ति ने बताया कि उनके बड़े भाई अपने परिवार के साथ खुर्जा स्थित एक कालोनी में रहते हैं। उनके पड़ोस में भाई की ससुराल है। उन्होंने बताया कि बुधवार शाम को उसके भाई निजी कार्य कहीं से गए थे। उनकी भाभी दूध लेने गई थी। भाई की चारों बेटियां पड़ोस में रहने वाली अपनी नानी के घर पर थीं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए यूपी-हरियाणा से क्यों बुलाए शूटर्स?

- मुंबई पुलिस का बड़ा खुलासा
- 5 अन्य आरोपी गिरफ्तार
- कुल 9 आरोपी अब तक पकड़े गए

मुंबई. बाबा सिद्दीकी हत्या मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने कुछ नए खुलासे किए हैं। बताया गया कि इस मामले में हाल में गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों ने हत्या के लिए 50 लाख रुपये मांगे थे। मगर, भुगतान को लेकर असहमति और एनसीपी नेता के रसूख को देखते हुए उन्होंने हत्या को अंजाम देने से बाद में मना कर दिया। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोंकर ने नए शूटर हायर करने का फैसला लिया। वह जानता था कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शूटरों को महाराष्ट्र में बाबा सिद्दीकी की हैसियत के बारे में पता नहीं होगा। उसका यह प्लान काम कर गया और उससे कम रकम में ही बाहरी शूटर्स हत्या के लिए सहमत हो गए। इस तरह, हरियाणा के निवासी गुरमेल बलजीत सिंह, उत्तर प्रदेश के धर्मराज कश्यप और शिवकुमार गौतम को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया।

पैसों को लेकर नहीं बन पाई बात

सीनियर अधिकारी ने शनिवार को कहा, 'पूछताछ के दौरान

पुलिस को पता चला कि गौतम सप्रे के नेतृत्व वाले गिरोह ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मध्यस्थ से 50 लाख रुपये की मांग की थी। लेकिन, सौदे पर असहमति के कारण यह बात नहीं बन पाई।' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सप्रे को पता था कि सिद्दीकी एक प्रभावशाली नेता हैं। इसलिए उन्हें मारना उसके गिरोह के लिए बड़ी समस्या पैदा कर सकता था। ऐसे में आरोपियों ने आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'यह जरूर है कि आरोपी व्यक्तियों ने नए शूटरों को आवश्यक सामग्री देने और अन्य सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया।'

3 अंबरनाथ, एक डोंबिवली व एक पनवेल से धरा गया

- मुंबई पुलिस ने सिद्दीकी की हत्या मामले में शुक्रवार को 5 लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने पूर्व विधायक की हत्या में शामिल लोगों को आवश्यक सामग्री और अन्य प्रकार की मदद दी थी। अब इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या अब 9 हो गई है, जबकि तीन लोग फरार हैं। पुलिस ने बताया कि हाल में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन गौतम सप्रे (32), संभाजी किसान पारधी (44), प्रदीप दत्तू थोम्बे (37), चेतन दिलीप पारधी और राम फूलचंद कनौजिया (43) के रूप में की गई है। गौतम सप्रे डोंबिवली से है। संभाजी किसान पारधी, थोम्बे और चेतन दिलीप पारधी ठाणे जिले के अंबरनाथ से हैं। कनौजिया रायगढ़ के पनवेल का रहने वाला है।

लोंकर के संपर्क में था सप्रे गिरोह

अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया है कि गौतम सप्रे के नेतृत्व वाला गिरोह गोलीबारी किए जाने तक साजिशकर्ता शुभम लोंकर और मुख्य षड्यंत्रकर्ता मोहम्मद जीशान अख्तर के संपर्क में था। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की 12 अक्टूबर की रात को उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम, शुभम लोंकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार हैं।

70 सीटों पर मिलकर लड़ेगी कांग्रेस-JMM

- झारखंड विधानसभा चुनाव
- राजद को 7 सीटें, 4 पर फैसला नहीं
- राहुल रांची पहुंचे, हेमंत और तेजस्वी मिलेंगे

रांची. कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित कई नेताओं ने

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस और JMM 70 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची सीटों के लिए जल्द ही जानकारी साझा की जाएगी।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा- अन्य सीटों के लिए मंथन किया जाएगा। हमारे साथ वाम दल भी जुड़ रहे हैं उनके साथ भी सीट साझा की जाएगी। राजद को 7 सीट देने पर सहमति बनी है।

होटल रेडिसन ब्लू में राजद की बैठक चल रही है। मीटिंग खत्म होने के बाद उनका पक्ष क्या आता है, इसके बाद आगे की बात सामने आएगी।

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी आज झारखंड दौरे हैं। वे रांची एयरपोर्ट से सीधे रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, झारखंड चुनाव को लेकर वे प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। मीटिंग के बाद राहुल गांधी सीधे शौर्य सभागार में आयोजित संविधान वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे और फिर यहां से निकलकर सीधा एयरपोर्ट चले जाएंगे। इन दोनों ही जगह के कार्यक्रम में मीडिया की एंट्री नहीं है।

बम की धमकी के बाद 20 फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

- 6 दिन में 40 से ज्यादा विमानों को झूठी धमकियां
- अब तक 80 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली. पिछली एक हफ्ते में 40 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, जो बाद में सभी झूठी साबित हुईं। इन धमकियों की वजह से अब तक 80 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो चुका है।

लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया था। गृह मंत्रालय ने भी एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, इंडिगो की तीन फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली है। इसमें दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल जा रही इंडिगो भी शामिल हैं। इसके अलावा विस्तारा की उदयपुर से मुंबई जाने वाले विमान को भी झूठी धमकी मिली थी। इन सभी विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

हालांकि, शनिवार को 20 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली है, लेकिन सभी की डिटेल सामने नहीं आई है।

खाड़ी देशों में 13,000 एक्टिव PFI मेंबर्स

- ED का आरोप - इन्हें करोड़ों के फंड जुटाने का टारगेट
- भारत में आतंकियों तक हवाला से पहुंचाई रकम

नई दिल्ली. भारत में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) के खिलाफ 2 साल से चल रही ED की जांच में नए खुलासे हुए हैं। ED ने शुक्रवार को बताया कि PFI के सिंगापुर और खाड़ी देशों में 13 हजार से ज्यादा एक्टिव मेंबर्स हैं, जिन्हें करोड़ों रुपए के फंड जुटाने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, PFI ने खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी मुस्लिम समुदाय के लिए डिस्ट्रिक्ट

एग्जीक्यूटिव कमेटियां बनाई हैं। इन्हीं कमेटियों को फंड जुटाने की जिम्मेदारियां दी गई थीं।

ED ने बताया कि विदेशों से जुटाए करोड़ों के फंड को अलग-अलग बैंकिंग चैनलों के साथ-साथ हवाला के माध्यम से भारत भेजा जाता था, ताकि इस फंड को ट्रेस न किया जा सके। यह फंड भारत में बैठे PFI के अधिकारियों और आतंकियों तक आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पहुंचाया जाता था। सितंबर 2022 में देशभर में PFI के ठिकानों पर NIA और ED ने छापा मारा था। इसमें PFI से जुड़े कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। इन पर UAPA के तहत कार्रवाई की गई थी। छापेमारी के बाद केंद्र सरकार ने 28 सितंबर 2022 को PFI संगठन को बैन कर दिया था। ED तब से PFI के खिलाफ जांच कर रही है।

ED की जांच में 4 खुलासे

- जांच से पता चला है कि PFI के वास्तविक उद्देश्य इसके संविधान में बताए गए उद्देश्यों से अलग हैं। PFI खुद को एक सामाजिक आंदोलन के रूप में पेश करता है, लेकिन जांच में पता चला है कि PFI के वास्तविक उद्देश्यों में जिहाद के माध्यम से भारत में एक इस्लामिक आंदोलन खड़ा करना है।
- PFI दावा करता है कि वह अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीकों का इस्तेमाल करेगा, लेकिन जांच में पता चला है कि फिजिकल एजुकेशन की क्लासेस की आड़ में PFI पंच, किक, चाकूबाजी और स्टिक अटैक के हिंसक तरीकों की प्रैक्टिस करवाता था।
- देश में मौजूद PFI के ठिकानों में से कोई भी PFI के नाम पर रजिस्टर्ड नहीं था। फिजिकल एजुकेशन की क्लासेस की जगह भी डमी ओनर्स के नाम पर रजिस्टर्ड थी।
- 2013 में केरल के कन्नूर जिले में नारथ आर्म्स कैंप में PFI के फिजिकल एजुकेशन क्लास में विस्फोटकों और हिंसक हथियारों की ट्रेनिंग दी गई। इसका उद्देश्य अलग-अलग धर्मों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और PFI मेंबर्स को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार करना था।

3 महीने में ही खुल गए पनकी पुल के ज्वाइंटर

कानपुर. कानपुर के पनकी क्षेत्र में बनाए गए आरओबी के ज्वाइंटर तीन महीने में ही खुल गए। इस खामी को छिपाने के लिए ज्वाइंट्स को बदलने का काम किया जा रहा है। इसका खुलासा उस समय हुआ जब भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी शुक्रवार को आरओबी का निरीक्षण करने पहुंच गए। वहां उन्हें दोनों पुलों के ज्वाइंटर खुले मिले। डीएम ने आरओबी की आईआईटी से जांच कराने पर सहमति जताई। इस दौरान मैथानी ने कहा यहां मिली खामियों की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी की जाएगी। भाजपा विधायक मैथानी ने ही इन दोनों आरओबी को पनकी पावर हाउस प्रोजेक्ट के तहत पास कराया था। इससे यह फायदा हुआ कि कोयला लदी रैक आने और जाने के दौरान लोगों को फंसना नहीं पड़ता है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने गांव पर बम फेंके

- CRPF और पुलिस मौके पर, फायरिंग जारी
- महिलाओं-बच्चों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

इंफाल. मणिपुर के जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़की है। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने शनिवार सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस और CRPF की टीमें मौके पर पहुंची हैं। उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग लगातार जारी है। फिलहाल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

पुलिस ने बताया कि बोरोबेकरा

जिरिबाम टाउन से 30km दूर है। इस इलाके में घने जंगल और पहाड़ हैं और यहां पहले भी गोलीबारी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को जिरीबाम के ही कालीनगर हमार वेंग इलाके में उग्रवादियों ने एक स्कूल में आग लगा दी थी।

15 अक्टूबर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की निमंत्रण पर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे थे। इन्हें मणिपुर और हिंसा न होने का संकल्प दिलाया गया था। बैठक के 4 दिन बाद शनिवार को जिरिबाम में हिंसा हुई है।

15 अक्टूबर को हुई बैठक में पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के सामने रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में इकट्ठा कर संकल्प दिलाया गया कि आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी।

तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए। सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे, लेकिन शाह बैठक की मिनट-टु-मिनट मॉनिटरिंग कर रहे थे।

बाल विवाह जीवनसाथी चुनने का अधिकार छीनता है

- इसे पर्सनल लॉ से नहीं रोका जा सकता
- कानून में कई खामियां, अवेयरनेस की जरूरत

नई दिल्ली. बाल विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (18 अक्टूबर) को फैसला सुनाया। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच 141 पन्नों के फैसले में कहा, हमने बाल विवाह की रोकथाम पर बने कानून (PCMA) के उद्देश्य को देखा और समझा। इसके अंदर बिना किसी नुकसान के सजा देने का प्रावधान है, जो अप्रभावी साबित हुआ। बाल विवाह निषेध अधिनियम किसी भी 'पर्सनल लॉ' की परंपरा से बाधित नहीं हो सकता। ये बच्चों की स्वतंत्रता, पसंद, आत्मनिर्णय और बचपन का आनंद लेने के अधिकार से वंचित करते हैं। जबरन और कम उम्र में शादी से दोनों पक्षों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हमें जरूरत है अवेयरनेस कैंपेनिंग की। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका सोसाइटी फॉर एनलाइटनमेंट एंड वॉलेंटरी एक्शन ने 2017 में लगाई थी। NGO का आरोप था कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को शब्दशः लागू नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा- 'बाल विवाह की बुराइयों के बारे में सबको जानकारी होने के बावजूद इसका प्रचलन चिंताजनक है।'

राहुल बोले- महिलाएं दफ्तरों में सिम्बॉलिक पद न लें

- उन्हें अपने हक के लिए लड़ना चाहिए
- आजकल सिर्फ विचारधाराओं की लड़ाई होती है

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली में शक्ति अभियान की मीटिंग में महिलाओं से कहा कि महिलाओं को ऑफिस में केवल को महिला संख्या दिखाने वाले सिम्बॉलिक पद स्वीकार नहीं करने चाहिए। उन्हे अपने हक के लिए लड़ना चाहिए और बड़े पदों की मांग करनी चाहिए।

राहुल ने महिलाओं से कहा कि आज की राजनीति में केवल पॉलिटिकल पार्टियों की ही लड़ाई नहीं होती है, बल्कि आज की राजनीति अलग-अलग विचारधाराओं की लड़ाई बन गई है। उन्होंने कहा कि आज राजनीति

में लड़ाई सिर्फ सत्ता के लिए नहीं बल्कि लीडरशिप के लिए भी है।

दरअसल, शक्ति अभियान महिलाओं का एक संगठन है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाएं शामिल होती हैं। यह मीटिंग शनिवार और रविवार को भी जारी रहेगी।

राहुल बोले- मैं महिलाओं के अधिकारों के साथ हूं. राहुल ने मीटिंग में कहा कि इंदिरा फेलोशिप जमीनी स्तर की महिला नेताओं के एक मजबूत नेटवर्क को खड़ा करने में मदद कर रहा है। साथ ही महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए भी काम कर रहा है। मैं हमेशा से महिलाओं के समान अधिकार, शिक्षा, रोजगार और समान अवसर वाली सोच के साथ खड़ा रहा हूं। हमारा भारतीय संविधान सभी प्रकार के भेदभाव को खारिज करते हुए समानता और न्याय के इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

बेंगलुरु टेस्ट- न्यूजीलैंड को 107 रन का टारगेट

- भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट
- सरफराज की सेंचुरी, पंत 99 पर आउट

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बेंगलुरु में चल रहे पहले टेस्ट मैच को जीतने के लिए 107 रन का टारगेट मिला है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गया।

चौथे दिन का खेल बारिश के कारण तय समय से 20 मिनट पहले समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। इसके कुछ देर बाद बारिश शुरू हो गई और स्टंप्स की घोषणा कर दी गई। कीवी टीम का स्कोर 0/0 है। इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम पहली पारी में 46 रन पर सिमट गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 402 रन बनाकर 356 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत की ओर से दूसरी पारी में सरफराज खान 150, ऋषभ पंत 99, विराट कोहली 70, रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओरुर्के और मैट हेनरी ने 3-3 विकेट झटके। एजाज पटेल ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला। चौथे दिन का खेल बारिश के कारण जल्दी समाप्त हो गया। भारत के दूसरी पारी में ऑलआउट हो जाने के बाद न्यूजीलैंड की पारी शुरू ही हुई थी। अभी केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। उसके कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और चौथे दिन का समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड के ओपनर टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे नाबाद लौटे। भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रन का टारगेट मिला है। भारत की ओर से सरफराज खान 150, ऋषभ पंत 99, विराट कोहली 70, रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। न्यूजीलैंड के लिए दूसरी पारी में विलियम ओरुर्के और मैट हेनरी ने 3-3 विकेट झटके। एजाज पटेल ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला।

हरियाणा के गांव के 55 युवा एक साथ सरकारी नौकरी लगे

- सैनी की शपथ के बाद आया रिजल्ट
- सरपंच प्रतिनिधि बोले- 350 बच्चे गवर्नमेंट जॉब लग चुके

कैथल. हरियाणा में कैथल जिले के डीग गांव के एक साथ 55 युवाओं की सरकारी नौकरी लगी है। एक दिन पहले नायब सिंह सैनी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (HSSC) ने ग्रुप C-D का रिजल्ट जारी किया था। एक साथ 55 युवाओं का सिलेक्शन होने पर HSSC के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने शुक्रवार को डीग गांव के सरपंच प्रतिनिधि रोहताश नैन से फोन पर बात की।

हिम्मत सिंह ने सरपंच प्रतिनिधि को बधाई दी और सिलेक्ट हुए बच्चों से भी बात की। साथ ही सरपंच को गांव के अन्य बच्चों को भी प्रेरित करने को कहा।

रोहताश नैन ने कहा- हमारे गांव के 55 बच्चे सरकारी नौकरी पर लगे हैं। हमारे यहां बहुत खुशी का माहौल है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वादा किया था कि मैं शपथ के साथ ही रिजल्ट जारी करूंगा। इससे पहले भी इस गांव से करीब 350 बच्चे सरकारी नौकरी पर लगे थे। जो बच्चे नौकरी से रह गए हैं, वह आने वाले समय में जरूर लगेंगे।

सरपंच प्रतिनिधि बोले- गांव में लाइब्रेरी बनाएंगे

सरपंच प्रतिनिधि रोहताश ने कहा कि इस गांव की करीब साढ़े 8 हजार की आबादी है। यहां साढ़े 4 हजार वोटर हैं। यहां के युवा बहुत मेहनती है। यहां लाइब्रेरी की कमी है। युवाओं के लिए जल्द लाइब्रेरी बनाई जाएगी। पहले पैसे देकर भी नौकरी नहीं लगती थी। इस सरकार में बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी लग रही है।

सलीम खान बोले- माफी मांगने की कोई वजह नहीं

मुंबई. राइटर, एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर सलीम खान ने कहा कि उनके बेटे सलमान ने कभी काले हिरण का शिकार नहीं किया। उनकी माफी की कोई वजह ही नहीं है। लगातार धमकियां मिलती रहीं, इससे हमारी आजादी छिन गई।

लॉरेंस गैंग से मिल रही धमकियों के बाद सलीम खान ने शनिवार को ABP न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में यह बात की। NCP अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में 12 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। सोशल मीडिया पोस्ट में गैंग के मेंबर ने लिखा था- सलमान खान की मदद करने करने वालों को छोड़ेंगे नहीं।

इसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लॉरेंस गैंग चाहता है कि काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान राजस्थान के बिश्नोई समाज से माफी मांग लें। काला हिरण शिकार केस अक्टूबर 1998 में राजस्थान के जोधपुर में हुआ था। तब वहां फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग चल रही थी।

कब पहुंचेगा विधानसभा में उत्तराखंडी चेहरा?

रमेश जुयाल

मुंबई. उत्तराखंड के प्रवासी उत्तराखंडी काफी लंबे समय से यह दावा करते आए हैं कि वह पिछले 50-60 वर्षों से मुंबई के नागरिक है मुंबई की माया नगरी में रह रहे हैं। उनकी पांचवीं पीढ़ी मुंबई में कार्यरत है , बात तो सही है लेकिन विगत इन वर्षों में उत्तराखंडी अपनी राजनीतिक पहचान बनाने में सफल रहे हैं। विभिन्न दलों, राजनीतिक पार्टियों में तो जरूर खड़े दिखे लेकिन अभी तक भीड़ का हिस्सा ही साबित हुए हैं । अधिकांश लोग कांग्रेस से जुड़े रहे तो कांग्रेस ने उत्तराखंडियों वोट बैंक को साधने के लिए पर्वतीय सेल बनाया था , जिसके परिणाम शून्य रहे । अब यही उत्तराखंडी भाजपा और शिवसेना शिंदे की ओर आ गए हैं ।भाजपा ने उत्तराखंडियों के वोट बैंक साधने के लिए मुंबई उत्तराखंड सेल बनाया ।

अब सवाल यह है कि कोई भी पार्टी कितने उतराखंडियों को चुनावी समर में उतरेगी या फिर उत्तराखंडी यूं ही भीड़ का हिस्सा बनकर रह जाएगा दशकों से चला आ रहा है नेताओं के साथ मात्र फोटो खिंचवाने भर से काम नहीं चलेगा। अब वक्त आ गया है अपनी राजनीतिक पहचान बनाने का । फिलहाल कहीं भी यह नजर नहीं आ रहा है कि उत्तराखंडी समाज किसी को विधानसभा टिकट दिलवाने के लिए किसी दल से लॉबिंग कर रहा है । जबकि हर समाज अपने-अपने समाज के लोगों को विधानसभा टिकट दिलवाने की लॉबिंग कर रहा है और यह सच भी है , आखिर कब दिखेगा महाराष्ट्र विधान सभा में उत्तराखंडी चेहरा । क्योंकि चुनाव घोषित हो गए हैं । हर पार्टियां अपने-अपने उम्मीद वारों की घोषणाएं कर रहे हैं । क्या किसी पार्टी की तरफ से कोई उत्तराखंडी चेहरा इस चुनावी मैदान में दिखाई देगा क्या?

विधायक बनने की चाहत और काबिलियत तो काफ़ी उत्तराखण्डियों में है पर मामला पहुंच पर रुका है। यह सब बातें आजकल में मालूम पड़ जाएगी। और उत्तराखण्डियों की ताकत भी।

संक्षेप...

आत्महत्या कर रही महिला की जान बचाई

मुंबई. कुर्ला इलाके में रहने वाली एक महिला ने अपने लिव-इन रिलेशनशिप पार्टनर से विवाद के चलते गुरुवार को आत्महत्या करने की कोशिश की. लेकिन मौके पर पहुंची नेहरू नगर पुलिस ने इस युवती की जान बचा ली. घटना नेहरू नगर इलाके में हुई. 35 वर्षीय महिला अपनी सहेली के साथ पुरानी बिल्डिंग में रहती है। दोनों के बीच विवाद के बाद वह कमरे में गई और फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

महायुति के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

- शाह के घर 2 घंटे बैठक चली
- भाजपा 155, शिवसेना शिंदे 78 और NCP अजित गुट 55 सीटों पर लड़ेंगे

मुंबई. महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर शुक्रवार देर रात अमित शाह के घर NDA के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी CM अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और NCP अजित गुट में सहमति बन गई है।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट 78 और NCP अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा।

दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद दोनों उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार महाराष्ट्र लौट आए हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अभी भी दिल्ली में होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को अपने कोटे से छोटी पार्टियों को सीट देनी है। किसी पार्टी के पास जिताऊ उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में 5 जगह प्लस-माइनस किया जा सकता है।

भाजपा 106 नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है

सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर सहमति के बाद संभावना है कि भाजपा आज 106 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इनमें लगभग वो सीटें होंगी जहां पार्टी के बड़े चेहरे चुनाव लड़ेंगे। इनमें देवेंद्र फडणवीस जैसे नाम शामिल हैं।

अमित ठाकरे भी लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। अमित ठाकरे के लिए मुंबई के माहिम और भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट का जायजा लिया जा रहा है। माहिम सीट से शिंदे सेना के सदा सरवणकर मौजूदा विधायक हैं। भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट पर ठाकरे सेना के रमेश कोरगांवकर मौजूदा विधायक हैं।

अगर MNS माहिम विधानसभा सीट से अमित ठाकरे को उतारती है तो शिवसेना(UBT) इस सीट से अपना उम्मीदवार नहीं उतारने पर विचार कर सकती है। 2019 विधानसभा चुनाव में जब आदित्य ठाकरे पहली बार चुनाव लड़ रहे थे, तब MNS ने वर्ली सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। 2024 लोकसभा चुनाव में MNS के समर्थन की वजह से महायुति के उम्मीदवार राहुल शेवाले को माहिम विधानसभा सीट पर करीब 14 हजार की लीड मिली थी। इसलिए भी MNS को लग रहा है कि अमित ठाकरे के लिए माहिम विधानसभा सीट सुरक्षित हो सकती है।

हल्के वाहनों को पूरे प्रदेश में टोल से छूट मिले

- समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख की मांग
- नासिक हाईवे पर पडघा टोल बूथ बंद करने की मांग
- सड़क मरम्मत नहीं होने के बावजूद टोल लूट जारी

भिवंडी. भिवंडी पूर्व से समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने मांग की है कि पूरे राज्य में पूर्ण टोल छूट लागू की जानी चाहिए क्योंकि मुंबई शहर में प्रवेश करने वाले पांच टोल बूथों पर हल्के वाहनों को पूरी छूट दी गई है। साथ ही टोल कंपनी नासिक हाईवे की मरम्मत नहीं कर रही है, इसलिए विधायक रईस शेख ने पडघा टोल बूथ को बंद करने की मांग की है.

इस संबंध में विधायक रईस शेख ने कहा कि मुंबई एंट्री पॉइंट की पांच मुख्य सड़कों की टोल कंपनियों द्वारा कभी भी समय पर मरम्मत नहीं की जाती है. हालांकि, अभी तक इन पांचों रूटों पर वाहनों को टोल देना पड़ता है। यह जनता की लूट है.

राज्य में हर जगह अवैध टोल वसूली होती है. उदाहरण के लिए नासिक हाईवे को लें। इस हाईवे पर टोल कंपनी सड़क की मरम्मत नहीं कराती है। हालांकि, पडघा में टोल वसूला जा रहा है. टोल कंपनियों की ऐसी लूट प्रदेश के कई जिलों में चल रही है. यह एक सामान्य कोर्स है. विधायक रईस शेख ने महागठबंधन सरकार से पूछा है कि वह सरकार कब बंद करेगी.

चेंबूर के संतोषी माता मंदिर में भीषण आग

मुंबई. चेंबूर कॉलोनी इलाके में संतोषी माता मंदिर में शनिवार दोपहर करीब 2.15 बजे भीषण आग लग गई. आग की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मी आग बुझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं.

यह मंदिर चेंबूर कॉलोनी इलाके में एनलक्स अस्पताल के बगल में है और शनिवार दोपहर करीब 2.15 बजे मंदिर में अचानक आग लग गई. इस मौके पर मंदिर में कई श्रद्धालु मौजूद थे.

महाराष्ट्र सरकार को चुनाव आयोग से बड़ा झटका

आचार संहिता के उल्लंघन मामले में लिया गया बड़ा एक्शन

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार को चुनाव आयोग ने बड़ा झटका दिया है। शिंदे सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव आचार संहिता लगने से पहले की गई नियुक्तियों और हड़बड़ी में लिए गए फैसलों को आचार संहिता लगने के बाद अमल में लाने को चुनाव आयोग ने आचार संहिता का उल्लंघन बताया है, जबकि चुनाव आयोग ने आचार संहिता लगी रहने तक फैसलों-नियुक्तियों को ज्यों का त्यों रखने के आदेश दिए हैं, लेकिन सरकार ने आदेश पर अमल नहीं किया। बल्कि फैसलों को लागू किया और टेंडर भी निकाले। इसे चुनाव आयोग ने आचार संहिता का उल्लंघन बताया है और मामले का गंभीरता से लेते हुए शिंदे सरकार को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

चुनाव आयोग के आक्रमक रवैये के बाद राज्य सरकार ने आचार संहिता के दौरान सरकार की वेबसाइट पर जारी 103 फैसले (GR) और 8 टेंडर रद्द कर दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गत 15 अक्टूबर को दोपहर 3.30 बजे चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके विधानसभा चुनाव की घोषणा की थी। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे, लेकिन चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने अपनी सरकारी वेबसाइट पर करीब 200 प्रपोजल, अपॉइंटमेंट्स और टेंडर जारी कर दिए। यह देखने के बाद चुनाव आयोग ने शिंदे सरकार को एक पत्र भेजा, जिसमें आदर्श आचार संहिता का पालन करने के निर्देश दिए गए और आदेश दिया गया कि आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी फैसले, आदेश और टेंडर रिलीज नहीं किए जा सकते। शिंदे सरकार ने चुनाव आयोग के आदेश की अवहेलना की है। चुनाव आयोग के इस लेटर के बाद शिंदे सरकार ने जल्दबाजी में वेबसाइट पर अपलोड किए गए भी प्रपोजल, आदेश और टेंडर हटा दिए।

शांतिनगर स्कूल में विद्यार्थियों ने किया मतदान जागरूकता कार्यक्रम

ठाणे. विधानसभा चुनाव नजदीक है मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग से जुड़े अधिकारी तमाम तरह के कार्यक्रम कर मतदाता को जागरूक करने के लिए जुट गए हैं।वहीं 147 कोपरी पांचपखाड़ी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी सर्जेराव म्हस्के पाटिल ने आज शांतिनगर के मनपा स्कूल नंबर 38 में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान करवाया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही और 20 नवंबर को मतदान करने के लिए विश्वास जताया।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर मतदाता को मतदान का महत्व समझाते हुए मतदान करने के लिए आवाहन किया।स्वीप सदस्य राजेंद्र परदेशी और अनंत सोनावणे ने कहा कि लोकतंत्र ने प्रत्येक नागरिक को मतदान देने का अधिकार दिया है और सभी को इस अधिकार का उपयोग करना चाहिए और लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।अपने परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों, दोस्तों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।इस दौरान सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई गई।साथ ही नये मतदाताओं को नये मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र वितरित कर मतदान करने का भी आग्रह किया गया।इस अवसर पर स्वीप टीम के नोडल अधिकारी कमलाकांत म्हेत्रे, स्वीप के सदस्य सीताराम परब और अविनाश सावंत सहित स्कूल की प्रिंसिपल आशा पटे और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

मतदान जनजागृति के लिए शिक्षकों के सहविचार सभा का आयोजन

ठाणे. 149 कलवा मुंब्रा विधानसभा चुनाव क्षेत्र में स्कूलों में मतदान जनजागृती के लिए एक सहयोग सभा को आयोजित किया गया।जिसमें सभी अनुदानित व विनाअनुदानित स्कूलों के प्रधानाचार्य के साथ में सहविचार बैठक हुई।विधानसभा चुनाव 149 कलवा मुंब्रा विधानसभा चुनाव क्षेत्र के स्वीप के सभी सदस्य सर्व सदस्य अनुदानित व विनाअनुदानित स्कूल के प्रधानाचार्य इस बैठक में उपस्थित थे।सहविचार सभा में स्वीप के राजेंद्र गिरी ने उपस्थित हुए सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को मार्गदर्शन किया।

जिसमें उन्होंने विविध प्रकार से मतदान करने के लिए जानकारी दी।लोकतंत्र में सबको मतदान करने के लिए अधिकार है सबको अपने इस अधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए।साथ ही उपस्थित हुए सभी लोगों को मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई।

ईडी ने PFI से जुड़ी 56.56 करोड़ रुपये की 35 अचल संपत्तियों को किया कुर्क

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कथित तौर पर जुड़ी 56.56 करोड़ रुपये की 35 अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई संपत्तियां विभिन्न ट्रस्टों, कंपनियों और व्यक्तियों के नाम पर हैं, लेकिन कथित तौर पर पीएफआई के स्वामित्व में हैं। इन संपत्तियों में से 35.43 करोड़ रुपये की 19 संपत्तियां 16 अक्टूबर को कुर्क की गईं, जबकि 21.13 करोड़ रुपये की 16 संपत्तियां इससे पहले 16 अप्रैल, 2024 को जब्त की गई थीं। ईडी की यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई जांच के बाद की गई है, जिसमें आतंकवाद के लिए धन जुटाने के लिए पीएफआई सदस्यों की साजिश का खुलासा हुआ था। वित्तीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ईडी की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है, जिसमें आतंकवाद के लिए धन जुटाने के लिए पीएफआई सदस्यों द्वारा की गई साजिश का खुलासा किया गया है। ईडी की जांच से पता चला है कि पीएफआई बैंकिंग चैनलों, हवाला नेटवर्क और गैरकानूनी दान के जरिए भारत और विदेशों में धन इकट्ठा करने में शामिल था। भारत भर में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने और उनका वित्तपोषण करने के लिए। इन गतिविधियों से जुड़ी कुल अपराध आय 94 करोड़ रुपये है, जिसमें केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, जम्मू और कश्मीर और मणिपुर में 29 बैंक खातों में धन का पता लगाया गया है। ईडी के आधिकारिक बयान के अनुसार फरवरी 2021 से अब तक 26 पीएफआई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और नौ अभियोजन शिकायतें दर्ज की गई हैं। गिरफ्तार सदस्यों की सूची में कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) के राष्ट्रीय महासचिव केए रऊफ शेरिफ और केरल में पेरम्पादप्पु डिवीजन के डिवीजनल अध्यक्ष अब्दुल रजाक बीपी जैसे प्रमुख व्यक्ति शामिल हैं। परवेज़ अहमद दिल्ली राज्य पीएफआई के अध्यक्ष, साहुल हमीद एक पीएफआई सदस्य है जो पीएफआई और कई अन्य के लिए हवाला का कारोबार करता है।

ठाणे मनपा स्कूल नंबर 4 में जनजागृति अभियान

ठाणे. विधानसभा चुनाव में नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग बड़ी संख्या में करने के लिए स्वीप के माध्यम से पूरे जिलें में जनजागृती किया जा रहा है।लोकतंत्र में मतदान करने के लिए सभी नागरिकों का अधिकार है।इसलिए स्कूल के विद्यार्थियों के माध्यम से भी मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।149 कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र के घोलाई नगर में मनपा के स्कूल नबंर 4 के विद्यार्थियों ने विविध प्रतियोगिता के माध्यम से नागरिकों को मतदान करने के लिए जा ग रू क किया।विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए तमाम तरह के कार्यक्रम किया जा रहा है।इसलिए चित्रकला प्रतियोगिता, आवाज प्रतियोगिता, रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।साथ ही "वोट फॉर बेटर इंडिया,अपना मत अमूल्य है लोकतंत्र में बदलाव करने के लिए विद्यार्थियों ने घोषणा की।इसके अलावा विद्यार्थियों ने परिसर में प्रभात फेरी निकाल कर मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्वीप के सदस्य, प्रधानाचार्य, शिक्षको ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कल्याण स्टेशन पर लोकल पटरी से उतरी

मुंबई. कल्याण स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर एक लोकल ट्रेन पटरी से उतर गई, एक रेलवे अधिकारी ने बताया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात को हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया, यह घटना कल्याण स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर हुई, जब एक कोच पटरी से उतर गया।

तमन्ना भाटिया से ईडी ने की पूछताछ

- HPZ टोकन ऐप मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला
- ऐप के प्रमोशन के लिए एक्ट्रेस को मिले थे पैसे

तमन्ना भाटिया से ED ने गुरुवार को गुवाहाटी में HPZ टोकन मोबाइल ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की। एक्ट्रेस को HPZ टोकन ऐप से जुड़े एक कार्यक्रम में सेलिब्रिटी अपीयरेंस के लिए पैसे मिले थे। इस ऐप के जरिए कथित तौर पर बिटकॉइन और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर लोगों को चुना लगाया गया है।

पीटीआई के मुताबिक, तमन्ना भाटिया को HPZ टोकन ऐप से जुड़े एक कार्यक्रम में 'सेलिब्रिटी अपीयरेंस' के लिए पैसे मिले थे। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तमन्ना के खिलाफ कोई गंभीर आरोप नहीं हैं। उन्हें पहले भी बुलाया गया था, लेकिन काम की वजह से वह नहीं जा सकी थीं, इसलिए अब तमन्ना गुरुवार को असम के गुवाहाटी में ईडी के दफ्तर पहुंची थीं।

HPZ टोकन ऐप क्या है

HPZ टोकन एक मोबाइल ऐप है, जिसमें कई तरह के गेम्स हैं। आरोप है कि इस ऐप के जरिये लोगों को 57 हजार रुपये लगाने पर हर रोज 4 हजार रुपये देने का वादा करके करोड़ों रुपये ठगे गए। ठगी के लिए शेल कंपनियों के नाम पर फर्जी अकाउंट अलग-अलग बैंकों में खुले गए, जिनमें इन्वेस्टर्स से पैसे ट्रांसफर करवाए गए। उन पैसे को आरोपियों ने क्रिप्टो और बिटकॉइन में इ न्वे स्ट किया और म हा दे व जैसी कई बेटिंग ऐप पर पैसा लगाया।

डकैती के दौरान पुलिस पर हमला करने के आरोप में 26 साल बाद आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. 26 साल बाद आखिरकार डिंडोशी पुलिस मलाड इलाके में डकैती के दौरान पुलिस टीम पर पथराव कर हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही. 55 वर्षीय आरोपी, जिसकी पहचान शंकर बाजीराव काले उर्फ नाना के रूप में हुई, छह महीने जेल में बिताने के बाद जमानत पर रिहा होने के बाद भाग गया। आखिरकार 26 साल बाद पुलिस उसे दोबारा गिरफ्तार करने में कामयाब हो गई है.

5 अक्टूबर, 1996 को मलाड में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के पास एलोरा सहकारी समिति में चड्डी बनियान गिरोह द्वारा एक सशस्त्र डकैती की गई थी। भागते समय गश्त कर रही पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की. इसी दौरान इन आरोपियों ने पुलिस पर पथराव किया, घातक हथियारों से हमला किया. कुछ पुलिसकर्मियों समेत गवाह गंभीर रूप से घायल हो गये. उसके चार साथी अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी का माल लेकर भाग गये थे। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठों ने स्थानीय पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया. इस आदेश के बाद टीम ने संभाजीनगर इलाके से भाग निकले तीनों को गिरफ्तार कर लिया. इसमें शंकर काले भी शामिल थे. छह महीने जेल में बिताने के बाद उन्हें जमानत दे दी गई।

www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099